

DPN 6493

Title : ~~लक्ष्मिहृति~~ परिपाली / ^{YA} LAKṢĀHUTI PARIPĀṬĪ

Run. No. 7218

Cat. No. I 18

Micro. No.

Subject ~~Ritual~~ Karma Kānda Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 19.6 X 7

Folios 11

Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

इअनअलसप

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

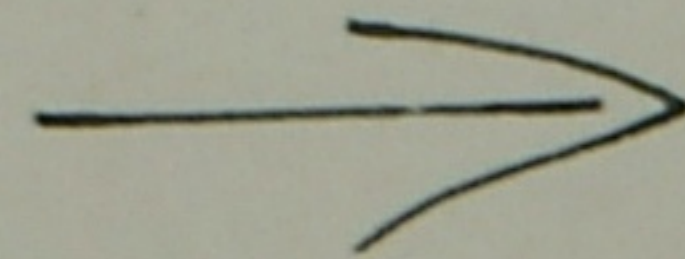
Script : New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. : with 4 diagrams of 4 mandala.

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / a few

Beginning, colophon, post-colophon :



Beginning :-

- ① रक्षाहुतिया परिपालि चोखं लया कुरी ॥ रदि हडक गुग्गुलु पाचके ॥ नीय
हुडु हडक अष्ट पीडिस पूजा ॥ न्दुं नीयपि २४ इव पंच गणेश पूजा ॥
न्दुं २९ इवय लौक स्वने ॥ ॥
- ② रक्षाहुतिय पहर २५ ॥ २५ पुरु तैरणाश चोय रक्षा हुति या ॥
- ③ गणेशया चंत्र २५
- ④ चतुर्दशी व्रतया मण्डल २५ ॥
- ⑤ अप्र सौपान
- ⑥ अक्षिता द्वादिचिह्न
- ⑦ प्रहाण्यादिया (चिह्न)
- ⑧ स्नानकलशया चिह्न यथे दव ॥

सक सागान पूर्व प्रसिद्धाया



दिन यज्ञयागयदीथा॥

१॥ अग्निगन्धदिविद्र॥
शिष्टूल॥ १॥ शिष्टूल॥ २॥
वद्र॥ ३॥ गकि॥ ४॥ अक्र
माला॥ अक्र सुग॥ ५॥
खी॥ ६॥ अक्र सुग॥ ७॥

वृक्षाग्न्यादि॥ १॥ पृक्त
१॥ शिष्टूल॥ २॥ गकि॥ ३॥ ग
दा॥ ४॥ मीन॥ ५॥ कृणु॥ ६॥
खद्विग्न॥ ७॥ खद्वि॥ ८॥

वामादिर्याध्वक कपा
लारुनलनीदादि॥

१॥ पुष्पना॥ तायूपय॥ १॥
मिभिना॥ तायूपय॥ २॥
॥ पृक्त॥ न्या॥ न्यापय॥ ३॥
॥ अश्वका॥ न्या॥ अत्यन्त॥ ४॥
॥ रूत॥ मीजीवना॥ आक्र
मद्र॥ ५॥ वीरुपा॥ ६॥
पमलि॥ विद्युमद्र॥ ७॥
नस॥ ८॥ गायना॥ नील
उत्पल॥ ९॥ भिवमथ
या॥ १०॥

१॥ पृव्वेनकरु॥ १॥ १॥ द
क्रि॥ २॥ अश्वकरु॥ ३॥ ॥
पश्विमश्वमकरु॥ ४॥ ॥
उरुनदविगुरु॥ ५॥ ॥
मानकल॥ गायविद्रा
थ॥ ६॥ ॥

४

४

एवकाद्वितीयापविषादिवास्मिन्त्याइना॥ वद्विहवगुनुमलुलयाचक॥ नीयषुद्रुहव
 पूजा॥ ईनीयपि२४ हव पयग (लगास पूजा॥ ई २१ हवेयवाद
 कसुन ॥ ॥ यहुमलुपणीयलकग यजमानयाहसुनके २० पिवदिकीडितानेसृष्ट
 वीगानदावहययागिली॥ सीरु १३ स्वाय परवहायक मसिती॥ वूलिकामधनर्थसिमाका
 यो॥ पिवदिकसंवतुवदिवानयार्तदानदयक॥ निवुजिनरिनकखाय॥ मानकावलासिती॥ धन
 विक् १४ सवालनरिनकखायावत॥ १४थपिवदिकदानदयक॥ धवानगुदिदानस परवसि
 नकाकातावगता॥ तावगयाथाससिनकाकागिगूलत॥ तावगयावल् पूर्वयाकाद॥ दक्षिणया
 हाक्॥ पश्चिमयात्रया॥ उत्तरया तायाव पिवनयातावगयावल् धन॥ पूर्वसुध्वजा१ पता
 प१ काद॥ अग्निदाया ध्वजा१ पताप काद॥ दक्षिणया ध्वजा१ पताप हाक्॥ नैसृष्टयाध्व
 कसि

ध्वजा ३

जा१ पताप धूमवल्॥ पश्चिमया ध्वजा१ पताप ताय॥ वायव्या ध्वजा१ पताप वाद॥ उत्तर
 या ध्वजा१ पताप त्रया॥ वीगानया ध्वजा१ पताप ताय॥ अग्निध्वजा१ पताप वाद॥ उत्तरया
 ध्वजा१ पताप त्रया॥ पतापसकि सिधाय जियूसर्क १ धान॥ सियातावगसकायउनखसूपति
 यादत पूर्वकाद॥ दक्षिण हाक्॥ पश्चिम ताय॥ उत्तर त्रया॥ ध्वजायाथाससिनकाकायक
 यादध्वस दिगया विहवजादि॥ ध्वजायाथासपतापतसिनकाकायकतथास॥ धालानथया
 वधावातयादध्वस वूलिकामध्वजा१ पताप १ काद॥ धनपिरीसा॥ मलुपद्वनया पिवदि
 गसंवदिवानथायस पुनलतावगदयकावथाचक धानावगयाथास वाद गिगूलदयकथा
 सत॥ निवमथया॥ विष्णुमध्वनसाचक॥ दिगवृद्धतदगदिगी॥ कणखनखि पयसूणका कुसा
 नीकानमलुपकवाकर्नयिन वरंगतदल पखिदल पिलाखदल वनिदल कणखनखिस
 अग्निदुदयककु

जमानन॥ वतुवगुयाहन॥ ४

^{दि ४}
 हन १ धनं कुवाक नैद्याय ॥ नकापाल १ ॥ पंचपल्लवमाला १ ॥ दिगपगाय १ ॥ कसखनखिसया
 य ॥ दिगपगायक्रीवाय ॥ ॐ ह्रीं द्यादियादहादिगया ॥ वल्लुपेगायनवधं १ ॥ ॥ पूनू यिनानजुगि
 कुलुयासुससं ॥ खासिग्वं १ ॥ नसिखनपू ४ ॥ नखासियाधखसं ॥ धनकायकीत ॥ पूनू यिनागर्म
 नकापाल जूनद्याय ॥ ॥ ॐ ह्रीं दिलाकपालादिकलगावाययार्त ॥ क १ ॥ थं दकावल्लवविस्म
 गक्याकीर्त ॥ नैमृत्यनपूर्वसविरायर्त ॥ इ १ ॥ थं दनममाल ॥ थं सिंहासनसिनकावकावत ॥ ॥ थं
 कृतिखंनसहितन ॥ ॐ ला १ ॥ डखवनक्यकीत ॥ ॥ अग्निकुलुयाडहनवायवागमस ॥ य
 नुकंदयक ॥ ॥ पूर्वदिक्चक्रं कलगादिमालकावाय ॥ ॥ ॐ ह्रीं नायखाय ॥ पूर्वदिक्
 १ ॥ नायकापनसथा १ ॥ कुयाव ॥ पूजमाल १ ॥ ॐ ह्रीं सा १ ॥ यादुदंकीदिगात ॥ धनं वायवाया

^{दि २}
 पूर्वसखास्यं ॥ यरुमल्लपयाडहनसपनिग्वयकं मानवलिवियकं यार्त ॥ दिनसं
 नानसं ॥ दिनकनवलियकं १ ॥ वतवलिमालकावियकं ॥ आचानकी ३ ॥ साथसयापा ० ॥ की ३ ॥
 कलानवलिसा ॥ यरुमल्लपया ० ॥ ॐ ह्रीं नायादिसममानमल्लपयनिग्वयकं ॥ ॥ यरुमल्ल
 पदुवनं सा ० ॥ सयपा ० ॥ याचकं वाक्कलीकी ३ ॥ ॐ ह्रीं तनुद ॥ अथायपा ० ॥ की ४ ॥ ॐ ह्रीं गपा ० ॥ की
 २ ॥ मयलीनजयपाककी ४ ॥ ॥ अग्निकुलुयादद्वितीसपूनादित्वाक्कलीकी १ ॥ ॐ ह्रीं वक्क
 ॥ ॥ सिमर्तया ० ॥ दिनं ॥ कादूकापनन ॥ थालसकादू ॥ जादतवठथयावत ॥ कुमालिकाय
 वसुधकानसिमर्तया ० ॥ दिनं ॥ ॥ मालकसमसं ॥ दगक ॥ दूवास्यं ॥ ॥ थं ॥ दू सनयायमजीता ॥ थं
 ॥ यिनायनिमकुला ॥ निगायरुमल्लपंगवा ॥ निर्मेकनमावरु ॥ ॥ तनूतनरा ॥ ॥ नवजाति
 पूनाया ० ॥ की १ ॥ ४
 वापूजा ॥ यवादका ॥ २

10

51

लक्ष्म्यातलिदायविलस वाधीवथयवाजनन ॥ जीमनकृकृजुवरुतस्मानसंयुक्तुइ
कोमधूनकी ॥ तीर्थवीणाव वरुठकलणवाय पिवदिगर्स ॥ लखगंगवाय सिंहासनतंजज
मानयात ॥ वाक्कलनकलणवउर्कपूजनी ॥ ॐ अयादि ॥ ॐ नमस्कारं न्यासाद्यपाठपूजा ॥
ॐ तत्त्वामि ॥ ॐ देवस्यवा ॥ ॐ आजिप्य ॥ ॐ समुद्रादुर्मि ॥ ॐ आकृष्ट ॥ ॐ गतावमिन्द्र ॥ ॐ व
रुणस्यार्क ॥ ॐ वक्रयस्तनी ॥ ॐ ॐ दीविस्तु ॥ ॐ नमः ॥ ॐ सुवायव ॥ ॐ अश्वत्थं वा निषदनी ॥ ॐ
सुस्तिनं ॥ ॐ ययः ॥ ॐ पृथिवी ॥ ॐ विष्णो नना ॥ ॐ अग्निदेवता ॥ ॐ शो ॥ ॐ ध्रुवसि ॥
ॐ तज्जामि ॥ ॐ या ॥ ॐ रूक्मिणी ॥ ॐ अन्नपत ॥ ॐ मनाहूति ॥ तायनस्यतिष्ठा ॥ ॐ पूर्वकलणस
॥ ॥ दक्षिणकलणपूजनी ॥ ॐ ॐ कीर्ति ॥ ॐ विष्णो ॥ सकलतं ॥ ॐ ॐ ॥ ॐ समुद्राय

वावाताय स्वाहा ॥ ॥ पश्चिम सविता ॥ ॐ समुद्रं जलं सविता ॥ ॥ इन्द्र सविता ॥ ॥
 द ॥ ॐ समुद्रं जलं सविता ॥ ॥ सुकलं तद्विधुः ॥ ॥ मालं कालं खगलं पूजा ॥ ॥ आकाशं लख ॥ ॥ गुं वा
 यालं ख ॥ ॥ सुकुलं कलं ख ॥ ॥ समुद्रं लख ॥ ॥ ददया लख ॥ ॥ गंगं लख ॥ ॥ तीर्थं लख ॥ ॥ सुगं लख ॥ ॥
 क ॥ ॥ मृत्तिकादि ॥ ॥ ॥ धतधूनकाव यजमानकथं तर्कं सिंहासनं सखन ॥ ॥ पूर्वया
 कलं लख न सखन ॥ ॥ अग्निं कथय च कथं मृत्तिकादि ॥ ॥ ॐ अग्निं मृत्तिका ॥ ॥ दक्षिणं कलं लख
 अग्निं कथय च कथं मृत्तिकादि ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॥ ॥ पश्चिमं कलं लख न अग्निं कथय
 नया च कथं सामं वदिन ॥ ॐ अग्निं मृत्तिका ॥ ॥ इन्द्रं कलं लख न अग्निं कथय
 वदिन ॥ ॐ अग्निं मृत्तिका ॥ ॥ इन्द्रं कलं लख न अग्निं कथय वदिन ॥ ॐ अग्निं मृत्तिका ॥ ॥
 इन्द्रं कलं लख न अग्निं कथय वदिन ॥ ॐ अग्निं मृत्तिका ॥ ॥ इन्द्रं कलं लख न अग्निं कथय वदिन ॥ ॐ अग्निं मृत्तिका ॥ ॥

॥ श्रीहस्तिना ॥ रुलस्नान पृष्यस्नान गायनस्नान ॥ धनं धनं विनस्नान ॥ ॥ धनं धनं नका
तवमुनायाव नदीसंगमवर्षावस्नानयायकयन्तर्क धनं धनं कृष्णं स सकलं लीखं
मूढावयनं निनकं स्नानयाय ॥ ॥ धनं धनं दानयायक ॥ ॥ धनं धनं धनं नवदय
पाव वय ॥ सिन्दूनादि याजा ॥ राजनादि नृत्यगीत धनं धनं धनं आगयादावलिदाव
य ॥ यरू मल्लयमाने मल्लयदाव सल्लयस्य दूकाय ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं
सुसादानविय ॥ सकलसुसादान गुरुदान सृष्टिदान लीवन्ता आदिनवाक्क
पेनिसुविय ॥ ददिक विषयवाक्क आदिसकलसु ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं
समसु विसु नयाय ॥ यमकलगायमानिकसु ॥ यरू यरू लीकाय ॥ नागय

स्नानम्
लुप.

दलिविय
यानेपनि
यय

१२ काइलिया
पदुनध॥

सिद्धाष्टाङ्गनामप्रस्तावक

विद्वान् ॥
पुनः पुनः पुनः
कलन वा य

शुद्धीनाय
स्वाय

पूरांक

ॐ

सिंहासनहातायां

अग्निप्रक्रियाय
नमः ॥ नमः ॥
अग्निप्रक्रियाय
॥ ४ ॥

香

अष्टपुत्रधाम
माल वाक्कादिके

यन्त्रधूय

द्वितीयः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

山

सिद्धिप्राप्तानां यत्किञ्चन

अमान कलिबद्धवदयसिद्धाधीन

五

॥ इति ॥
 मन्त्रानलक ॥
 ॐ ह्रीं क्लीं ग्लौं ॥
 गुरु दत्त ज्ञादित्य मा गुरु मय
 थिलि

मन्त्रान्तर्कष्य

ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मङ्गलार्थकलनीकुम्भ

सद्यः
जैमिनी

मृत्पूज



५७

ज्वादि त्थ

मा गृमय
गर्षा विम

ॐ

श्रीश्री

此乃
 此乃
 此乃

निवृत्तिनिराशकवादी

दाननेवयककाळी श्रयन् धजावीजे

धजायजं

10

5

विष्णु

वामदेव

गङ्गा, सप्त सती, महालक्ष्मी
शिव, चामुण्डा, ज्योतिष, सूर्य, सप्तर्षि, महालक्ष्मी

विष्णु, निवसथ रुद्रा ॥ विष्णु, धी रुद्रा सच कुत ॥

पूर्व
तत्पुत्र

गङ्गा, सप्त सती, महालक्ष्मी

अग्नि, वक्रा, ज्योतिष, रुद्र, मातृ, धनी

धर्म, नाना, वायव्य, दक्षिण

वाम, दक्षिण, सप्त, रुद्र, ज्योतिष, सूर्य, सप्तर्षि, महालक्ष्मी

गङ्गा, सप्त सती, महालक्ष्मी

विष्णु
वामदेव
गङ्गा, सप्त सती, महालक्ष्मी

वाम, दक्षिण, सप्त, रुद्र, ज्योतिष, सूर्य, सप्तर्षि, महालक्ष्मी

गङ्गा, सप्त सती, महालक्ष्मी

विष्णु
वामदेव
ज्योतिष

0 cmts.

5

10

15

20

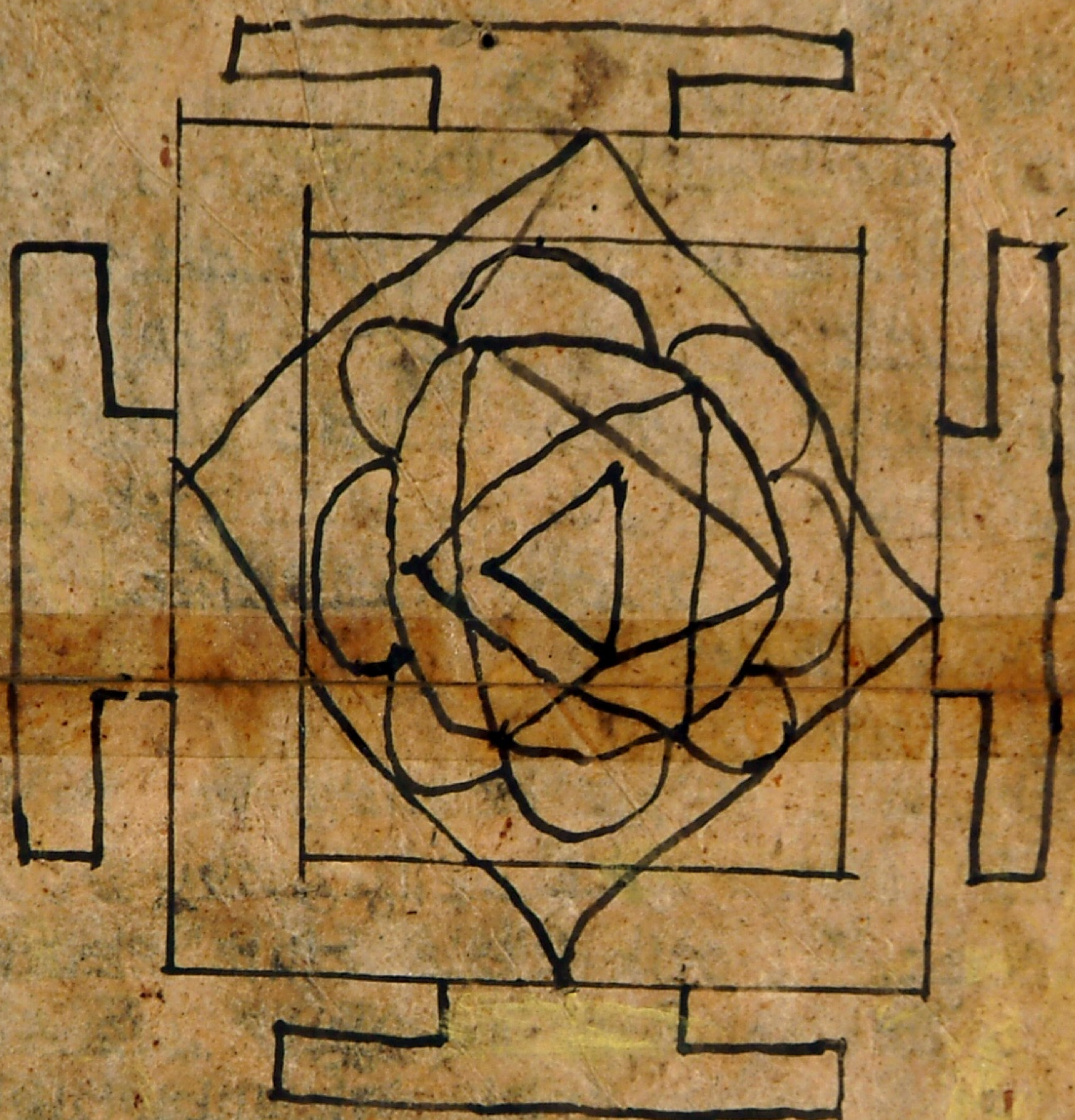
ॐ नमः श्रीविष्णुनाथाय ॥ कल्लयस्य वस कलालगगर्भगंगाधर्यमस्तु क
 वासा ॥ अगि निवाजदा जतनया जाया जवानी सती । नदि स्तुन्दगवाधिवज
 सहितश्याविष्णुनाथपुरु काणामदि वसं स्ति ताखिवगुनुद्धयात्सदा
 मङ्गलं ॥ ॥ ॐ नमो गायलाया नीव नीवदसं काणी नीवन्दीवन लाव
 नीवन्दीवनन्दन वन्द कर्षं गायालवूषिणी ॥

ॐ वक्तवर्षुसुत जाङ्गं दाठिमी कसूमघरी । एकास्यं सुमूर्खदर्वस नाना
 पुक्तवर्षु । एव विनयगरानी सर्वपापघण्टागनी ॥ आदित्ययाध्या
 न ॥ ॥ यथा देवसुधादाया दानववज्रुलिका
 रुव ७ । वूलिकेव तथैव कलगाधजसर्वग ॥ ॥

10

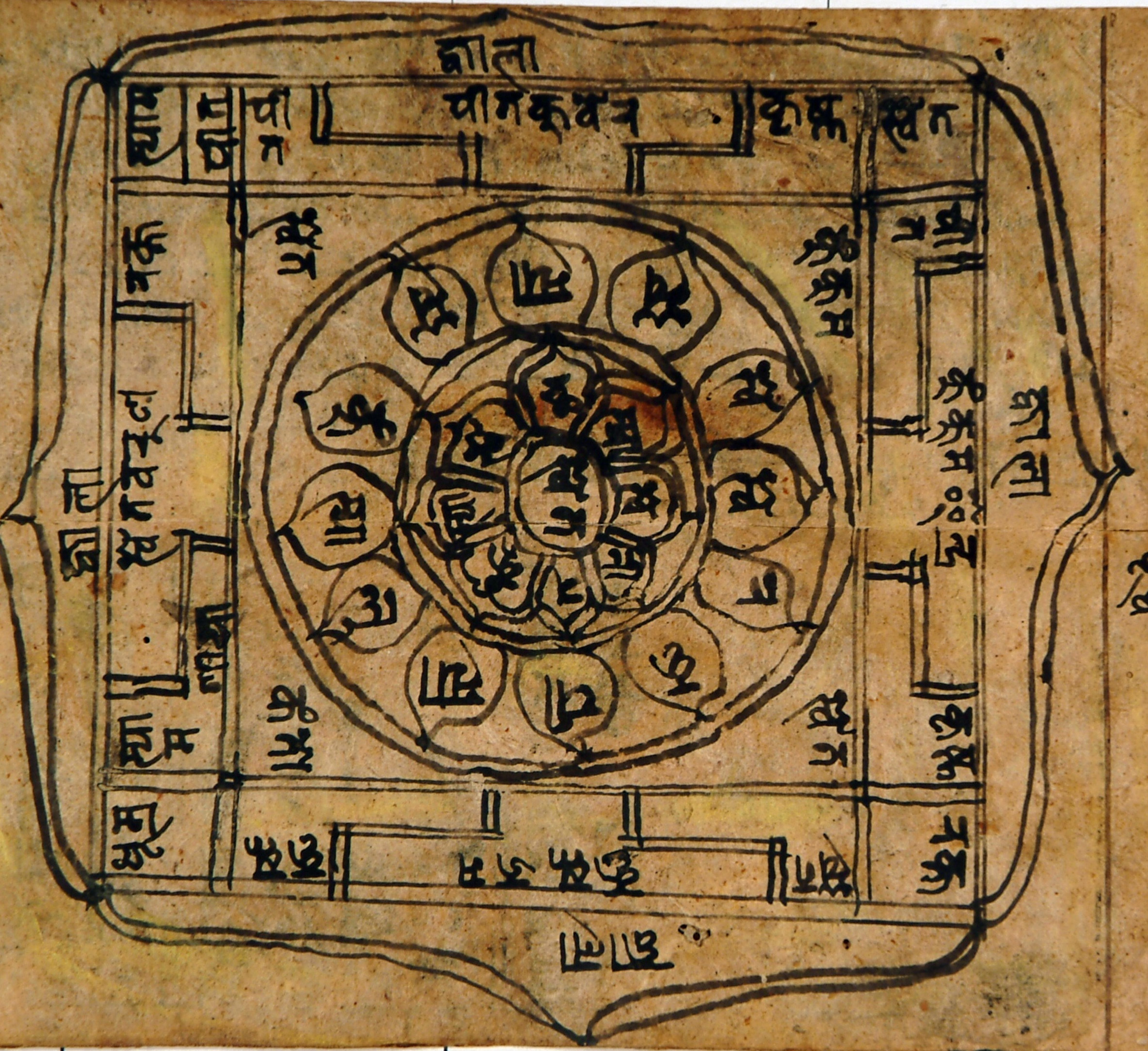
ज

पर्व



१ गणेशाय नमः

१ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
२ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
३ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
४ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
५ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
६ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
७ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
८ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
९ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पर्व



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो ॥ पद्म २ ॥ वन २ ॥ अक्षमाला ५ ॥ मूल ८ ॥ पद्म
मूल ॥ पाशा १ ॥ अक्षमाला ८ ॥ मूल ८ ॥ पूरक १० ॥ अक्षमाला
॥ लक्षक १२ ॥ अक्षमाला १२ ॥

सप्तशतान् पर्व प्रतियोग्या

दिनशतक्यायकथ